|| Shree Ganeshaya Namaha ||

Sample PDF Reports

Kundali Veda

kundaliveda.com

Your Astrology Partner

रुद्राक्ष सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

प्राचीन धर्म ग्रंथों में विभिन्न प्रकार के रुद्राक्षों के महत्व को बताया गया है। अतः आपके लिए कौनसा रुद्राक्ष उचित होगा? इसके लिए ज्योतिषीय परामर्श अावश्यक है। ताकि आपको उसका पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। क्योंकि एक विद्वान ज्योतिषी ही आपकी जन्म कुंडली का अध्ययन कर आपको उचित रूप से यह बता सकता है। ध्यान रहे, रुद्राक्ष का अधिक से अधिक लाभ पाने के लिए इसे पूर्ण विधि विधान से धारण करना आवश्यक है। अतः हम आपको इस रिपोर्ट में रुद्राक्ष के प्रकार और रुद्राक्ष धारण की विधि बताने जा रहे हैं।

तीन मुखी रुद्राक्ष

अभी खरीदें

रुद्राक्ष- महत्व और सुझाव रिपोर्ट

रुद्राक्ष का संबंध भगवान शिव से है। माना जाता है कि रुद्राक्ष (रुद्र=भगवान शिव और अक्ष= आंसू) की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई थी। ज्योतिषशास्त्र में भी रुद्राक्ष को बहुत महत्व दिया जाता है और माना जाता है कि रुद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति को काम, क्रोध, मोह, माया से मुक्ति मिलती है और अंत समय में मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसके साथ ही ग्रहों के बुरे प्रभाव भी रुद्राक्ष धारण करने से दूर होते हैं। वैज्ञानिक नजरिये से देखें तो रुद्राक्ष में विद्युत चुंबकीय गुण होते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति रुद्राक्ष धारण करता है तो उसे श्वसन और रक्त संचार से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं नहीं आती, उच्च रक्तचाप और तनाव को दूर करने में भी यह कारगर है। यदि आप रुद्राक्ष की पूजा करते हैं तो आप पापों से मुक्ति पा सकते हैं। इसको धारण करने से आपको कई सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। ऋषि-मुनियों द्वारा रुद्राक्ष कुंडलिनी शक्ति को जगाने के लिये किया जाता है। वहीं सांसारिक लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति और नकारात्मकता को दूर करने के लिये रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं। चूंकि रुद्राक्ष कई तरह के होते हैं इसलिये हम आपकी कुंडली का आकलन करके आपके लिये कौनसा रुद्राक्ष उपयोगी सिद्ध होगा इसकी जानकारी आपको देते हैं। हमारे द्वारा बताये गये रुद्राक्ष को धारण करके आप अपने अंदर सकारात्मकता महसूस कर सकते हैं और साथ ही रुद्राक्ष धारण करने से आपको लाभकारी परिणामों की भी प्राप्ति होती है।

तीन मुखी रुद्राक्ष

तीन मुखी रुद्राक्ष को धारण करने से व्यक्ति को भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति के अंदर असाधारण गुण विकसित होते हैं। व्यक्ति अपने अंदर एक अद्भुत शक्ति को महसूस करता है और उसी शक्ति से उसके जीवन की कठिनाइयाँ दूर होती हैं। यह व्यक्ति के समस्त कष्टों तथा पापों को नष्ट करता है तथा तन और मन से उसे शुद्ध करता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। अग्नि देव इस रुद्राक्ष के स्वामी है। इसलिए इस रुद्राक्ष को जो व्यक्ति धारण करता है उसके जीवन से नकारात्मकता जलकर भस्म हो जाती है और व्यक्ति को मनवांछित परिणाम प्राप्त होते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार मंगल ग्रह तीन मुखी रुद्राक्ष का स्वामी होता है। इसे धारण करने से व्यक्ति की कुंडली से मंगल दोष दूर होता है। यह जातक को मानसिक तनाव, क़र्ज़, चिंता, भय आदि समस्या से बचाता है।

तीन मुखी रुद्राक्ष को धारण करने की विधि

तीन मुखी रुद्राक्ष को सोने अथवा चाँदी में मढ़वाकर अथवा बिना मढ़वाए भी धारण किया जा सकता है। इसे लाल अथवा काले धागे या सोने/चाँदी की चेन के साथ धारण करने का विधान है। परंतु इससे पूर्व रुद्राक्ष को धारण करने से पूर्व इसे गंगाजल अथवा कच्चे दूध से धोकर पवित्र कर लें। फिर हनुमान जी को लाल पुष्प, धूप-दीप, अगरबत्ती अर्पित करते हुए "ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए। इस विधि को करने के बाद रुद्राक्ष को मंगलवार अथवा मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा नक्षत्र में धारण करना श्रेष्ठकर होता है।

प्राकृतिक रुद्राक्ष का महत्व

आजकल बाज़ार में बिरले ही प्राकृतिक रुद्राक्ष मिलते हैं। क्योंकि मार्केट में प्लास्टिक और फाइबर से बने कृत्रिम रुद्राक्षों की भरमार है। इन्हें बहुत बड़ी मात्रा में चीन द्वारा फैक्ट्री में तैयार किया जा रहा है और वैश्विक बाज़ार में बेचा जा रहा है। असली रुद्राक्ष बहुत ही सीमित मात्रा में होते हैं। इनके उत्पादन पर मौसम का भी असर पड़ता है। ध्यान रहे, आर्टिफिशियल रुद्राक्ष देखने में हू-ब-हू वास्तविक रुद्राक्ष की तरह होते हैं इसलिए आम इंसान के लिए इनके बीच के अंतर को पहचान पाना मुश्किल होता है और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से कृत्रिम रुद्राक्ष का कोई महत्व नहीं है। लेकिन हमारे पास 100 फीसदी प्राकृतिक रुद्राक्ष उपलब्ध हैं जिसे धारण कर आप इसके ज्योतिषीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमारे रुद्राक्ष की वास्तविकता को लैब द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

Kundali Veda

Thank You

Refer and Earn 20% Commission

For More Details Mail or Call us at +91-9693579531

Email - kundaliveda@gmail.com

www.kundaliveda.com